ट्रेनों की महिला चालकों के लिए अब इंजिन में शौचालय, बिलासपुर रेलवे जोन के 356 इंजिनों में लगा लोकोमोटिव कैब एसी

रायपुर । आरएनएस

परिवहन की मुख्य धुरी भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है। संरक्षा के साथ यात्री एवं ग्राहकों की सेवा इसका मूलमंत्र है। भारतीय रेल में प्रतिदिन हजारों की संख्या में चलने वाली यात्री एवं मालगाडिय़ों के संचालन का जिम्मा रनिंग स्टाफ के कंधो पर होता है। इनमें लोको पायलट, गार्ड की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान में युवाओं के बीच रेलवे में सेवा देने हेतु न केवल अत्यधिक क्रेज है, बल्कि समाज में लोको पायलट और गार्ड की नौकरी को अत्यंत ही सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। रेलवे प्रशासन भी लोको पायलटों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए कृतसंकल्पित है।

इसी कड़ी में लोको पायलटों को गर्मी के दिनों में राहत दिलाने और आरामदायक स्थिति में उनकी कार्य क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत वर्तमान में 356 लोकोमोटिव कैब एसी से सुसज्जित हैं तथा अतिरिक्त 72 लोकोमोटिव बहुत जल्द ही वातानुकूलित किए जाने वाले हैं।

इसके साथ ही विशेष रूप महिला लोको पायलटों के लिए लोकोमोटिव कैब में संलग्न शौचालयों के मामले पर भी उचित ध्यान दिया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 151 महिलाएँ सेवारत हैं, इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के 40 लोको में शौचालय (36 वाटर क्लोसेट प्रकार और 04 वाटरलेस प्रकार)

उपलब्ध हैं। नए लोको में यह प्रावधान शुरू करने के लिए उत्पादन इकाइयाँ खरीद के अग्रिम चरण में हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रनिंग कैडर की रिक्तियों को भरने के लिए प्रतिबद्ध है। 3900 से अधिक सहायक लोको पायलट (ररुक्क) की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। भर्ती प्रक्रिया को अंतिम रूप देने एवं प्रशिक्षण समाप्त होने के तुरंत बाद उन्हें शामिल कर लिया जाएगा। पदोन्नति के मामले दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे पदोन्नति कैलेंडर का पालन करता है और पदोन्नति तय कार्यक्रम के अनुसार की जाती है। पिछले दो वर्षों में 900 से अधिक सहायक लोको पायलट (ररुक्क) को लोको पायलट (गुड्स) के रूप में पदोन्नत किया गया है। ट्रेनों के संरक्षित परिचालन के लिए लोको पायलट और सहायक लोको पायलट की संख्या के बीच संतुलन होना चाहिए। इस महत्वपूर्ण सुरक्षा पहलू को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति की जाती है।

किया आदेश- कहा, दी जा सकती है, जानकारी, लेकिन... दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रनिंग स्टाफ के लंबे समय तक काम करने के घंटों को कम करने के प्रयासों ने आशाजनक परिणाम दिखाए हैं। विस्तारित कार्य घंटों का प्रतिशत काफी कम हो गया है, जो इस संबंध में हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में लोको पायलटों के प्रति ट्रिप ड्यूटी घंटे 8.3 घंटे हैं। इसके अलावा, कार्य स्थिति में सुधार तथा रनिंग रूम की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अकलतरा रेलवे स्टेशन में 7.7 करोड़ की लागत से एक नई रनिंग रूम की योजना बनाई गई है। इसके साथ ही नीति दिशानिर्देशों को संशोधित किया गया है ताकि हाउसकीपिंग और खानपान सेवाओं में अनुभव रखने वाली एजेंसियों को रनिंग रूम के लिए काम पर रखा जा सके। रनिंग स्टाफ का स्वास्थ्य और कल्याण दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे व्यापक चिकित्सा सुविधाएँ सुनिश्चित करता है और हमारे समर्पित कर्मचारियों के लिए अन्य आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेल प्रशासन सभी लाइन स्टाफ के लिए एक सुखद कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत चालक दल को जल्द से जल्द कार्यस्थल तक आवागमन की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई गई सडक़ परिवहन (टैक्सी आदि) की सुविधा में भी बढ़ोत्तरी की गई है। जिससे लाँग अवर तक काम करने के घंटे भी कम हुए हैं। भारतीय रेलवे में गार्ड और लोको पायलट की भूमिका आज के युवाओं के लिए अत्यधिक मांग वाले करियर विकल्प हैं. दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सुविधाओं को बढ़ाने, कार्य की स्थिति में सुधार करने और सभी कर्मचारियों के साथ ही रनिंग स्टाफ की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए समर्पित है।

महत्वपूर्ण एवं खास

विवाह स्थल में हुई चोरी को 24 घंटे के भीतर सुलझाया गया

कोरबा (आरएनएस)। जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी द्वारा अवैध गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के निर्देश सभी थाना प्रभारियों को दिया गया है। उक्त निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू. बी. एस. चौहान, नगर पुलिस अधीक्षक प्रतिभा मरकाम के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी मानिकपुर प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में शारदा विहार विवाह स्थल में हुए चोरी को 24 घंटे के भीतर सुलझाने में सफलता मिली है। प्रार्थी रविकुमार यादव द्वारा चौकी मानिकपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि शारदा विहार के सामुदायिक भवन में शादी कार्यक्रम स्थल से 10 जुलाई की दरमियानी रात को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मारपीट कर सोने, चाँदी के ज़ेवरात और नगदी रक़म लूट कर ले गये है, उक्त रिपोर्ट पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मानिकपुर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए सीसीटीवी फ़ुटेज और घटना स्थल से प्राप्त साक्ष्य के सहायता से घटना को अंजाम देने वाले विधि से संघर्षरत बालक को पकडक़र उसके मेमोरेंडम के आधार पर चोरी के संपत्ति को बरामद किया गया है। उक्त कार्यवाही में सउनि सुदामा पाटले, मप्रआ स्मिता बेक, आर संजय रात्रे, गंगाराम डांडे और प्रदीप राठौर का विशेष योगदान रहा है।

लाखेनगर के दुकानों से 4 किलो पॉलीथीन जब्त

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम जोन क्रमांक 5 के स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही के नेतृत्व एवं जोन 5 जोन स्वास्थ अधिकारी संदीप वर्मा की उपस्थिति में लाखेनगर चौक और रायपुरा चौक के पास दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया. इस दौरान 4 दुकानों से लगभग 4 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त किया गया और सम्बंधित दुकानदारों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए कुल 1200 रूपये जुर्माना वसूला. प्रतिबंधित पॉलीथिन की जब्ती और जुर्माना की कार्यवाही आगे निरन्तर जारी रहेगी.

रेलवे स्टेशन में पार्किंग ठेकेदार के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही के फिराक ने रेलवे प्रशासन

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में हो रहे पार्किंग विवाद की खबरों से शायद ही कोई अनजान हो. ठेकेदार, ऑटो चालक, पार्किंग कर्मचारी और रेलवे के बीच आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है. ऐसे में मण्डल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पार्किंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर सकता है. सूत्रों की माने तो पार्किंग ठेकेदार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की तैयारी में रेलवे के अधिकारियों ने रूप रेखा तैयार करनी शुरू कर दी है. हालांकि इसके लिए आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है. रायपुर रेल मंडल के सूत्रों के मुताबिक पार्किंग को लेकर लगातार हो रही नोकझोक को देखते हुए रेलवे जल्द ही कोई कड़ा फैसला ले सकता है, जिससे रेलवे स्टेशन में विवादों पर लगाम लगाया जा सके. अवैध वसूली से लेकर पार्किंग ठेकेदार के कर्मचारियों की दादागिरी किस्से तो सभी को पता ही है, लेकिन अब रोजाना स्टेशन में सवारी की तलाश में पहुंचने वाले ऑटो चालकों में भी नई व्यवस्था को लेकर नाराजग़ी देखी जा रही है. इन सभी समस्याओं को देखते हुए रायपुर रेलवे स्टेशन के वर्तमान पार्किंग टेंडर को निरस्त कर नया टेंडर निकालाने की तैयारी कर रहा है. हालांकि व्यवस्था के बदलाव की पूरी प्रक्रिया में 30 से 40 दिनों का वक्त लग सकता है.

चातुर्मास 19 को,देशभर से रायपुर विहार कर रहे साधु दिखाएंगे धर्म कर्म की राह

रायपुर । आरएनएस

जैन साधु-साध्वियों का चातुर्मास 19 जुलाई से शुरू हो रहा है. इसके लिए देश के विभिन्न इलाकों से साधु-साध्वियां रायपुर की ओर विहार कर रहे हैं.

राजधानी में इस बार एमजी रोड की दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी के सुधर्म जैन विहार, विवेकानंद नगर के श्रीसंभवनाथ जिनालय, पचपेड़ी नाका के पुजारी चेंबर, टैगोर नगर के श्रीलालगंगा पटवा भवन, न्यू राजेंद्र नगर में समता परिसर व श्रीमहावीर स्वामी जिनालय और देवेंद्र नगर देसाई भवन सेक्टर-4 में चातुर्मास हो रहा है.

यहां रह कर 40 से अधिक साधु और साध्वियां समाज को धर्म-कर्म की राह दिखाएंगी.

श्रीजैन दादाबाड़ी तीर्थ, एमजी रोड

यहां गणाधीश विनय कुशल मुनि, नंदीशेन मुनि, दीर्घ तपस्वी विरागमुनि, भव्यमुनि, साध्वी जयशिशु विरतियशाश्री, साध्वी विनम्रयशाश्री का मंगल प्रवेश 15 जुलाई को होगा.

विशेष तप: उपधान तप, अखंड तेला, आयंबिल, सिद्धि तप

पुजारी चेंबर, पचपेड़ी नाका

यहां पर घोर तपस्वी संत मौन साधक शीतलराज महाराज का चातुर्मास होगा. महाराज यहां 20 जुलाई से प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से प्रवचन करेंगे.

विशेष तप - मौन साधना, चमत्कारी मांगलिक, सामायिक.

श्रीसंभवनाथ जिनालय, विवेकानंद नगर

यहां मुनि जयपाल विजय, प्रियदर्शी विजय, तीर्थप्रेम विजय, साध्वी रत्ननिधिश्री, रिध्दिनिधिश्री, औदार्यनिधिश्री, चिंतननिधिश्री, तात्विकनिधिश्री का चातुर्मास होगा.

विशेष तप - सिद्धि तप, समोसरण, विजयकसाय

लाल गंगा पटवा भवन, टैगोर नगर

यहां पर तेरापंथ मुनि सुधाकर जी महाराज और मुनि नरेश कुमार महाराज चातुर्मास करेंगे. प्रतिदिन सुबह प्रवचन होगा.

विशेष तप - अभी तय नहीं

सुधर्म जैन विहार, भैरव सोसायटी

यहां पर साध्वी शासनप्रिया के साथ दो अन्य जैन साध्वियों का चातुर्मास होगा. प्रतिदिन सुबह नियमित प्रवचन करेंगे.

विशेष तप - तेले की कढ़ी (पूरे चातुर्मास श्रावक-श्राविकाएं क्रमानुसार तीन-तीन दिन का उपवास करेंगे.)

समता परिसर, न्यू राजेंद्र नगर

यहां दीपिका सुयशाश्री, जयप्रज्ञाश्री, सुरम्यश्री, सुपद्मश्री और सुदक्षाश्री का मंगल प्रवेश हो चुका है. साधुमार्गी जैन संघ के इस आयोजन में प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से प्रवचन और ज्ञान चर्चा होती है.

विशेष तप - प्रतिक्रमण

श्री महावीर स्वामी जिनालय, न्यू राजेंद्र नगर

यहां श्रमणतिलक विजय, मुनि निर्वाणतिलक विजय, सौभाग्यतित्यक विजय, आनंदतिलक विजय, समर्पणतित्यक विजय, समकित तिलक विजय, सत्यतिलक विजय, विवेकतित्यक विजय, साध्वी आर्हतदर्शिता श्री, आर्हुंतदर्शिता श्री, समदर्शिनाश्री, शौर्यदर्शिता श्री, कृतार्थदर्शिता श्री, औदार्यदर्शिता श्री, अनन्यदर्शिता श्री, अपूर्वदर्शिताश्री, अनुत्तरदर्शिता श्री, अनाहदर्शिताश्री का चातुर्मास होगा.

लेडी सिंघम समेत 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड, वर्दी का रौब दिखाने कर दी थी पिटाई

बिलासपुर(आरएनएस)। सटोरिया को पकडऩे गए पुलिसकर्मियों ने होटल में दबंगई दिखाते हुए दिव्यांग व्यक्ति की पिटाई कर दी. इस मामले की जांच के बाद एसपी ने महिला आरक्षक समेत तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है. घटना बेलगहना थाना क्षेत्र के खोंगसरा आमागोहन में बीते 9 जुलाई को हुई थी. दरअसल, बीते 9 जुलाई को बेलगहना थाने में पदस्थ आरक्षक दामोदर सिंह, नव आरक्षक हेमंत चन्द्राकर व महिला आरक्षक कोमल तिवारी सटोरिया को पकडऩे के लिए खोंगसरा आमागोहन स्थित बादल नामक युवक के होटल में दबिश दी. तीनों दबंगई दिखाते हुए होटल में घुसकर कर्मचारियों को बाहर करने लगे. इस दौरान दिव्यांग कर्मचारी शमसुद्दीन पुलिसकर्मियों की बात सुन नहीं पाया और बाहर नहीं निकला तो तीनों आरक्षकों ने हुज्जतबाजी करते हुए उसे बाहर निकाला और उसकी जमकर पिटाई कर दी. दिव्यांग से मारपीट करने की जानकारी होने पर गांव में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने तीनों आरक्षकों को घेरकर बंधक बना लिया. मामले की सूचना मिलते ही थानेदार स्टाफ के साथ गांव गए और ग्रामीणों को समझाइश देकर पुलिसकर्मियों को छुड़ाकर लौटे. इस बीच ग्रामीणों ने घटना की शिकायत एसपी से की. एससी ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए आरक्षक दामोदर सिंह, नव आरक्षक हेमंत चंद्राकर, महिला आरक्षक कोमल तिवारी को निलंबित कर दिया है।

केंद्रीय वित्त आयोग के दल ने देखी चित्रकोट जलप्रपात की छटा

जगदलपुर । आरएनएस

केन्द्रीय वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढिय़ा के नेतृत्व में आयोग के सदस्यों और अधिकारियों का दल शुक्रवार को जगदलपुर पहुंचा। इस दौरान दल ने बस्तर के विख्यात चित्रकोट जलप्रपात के दूसरी छोर तीरथा पहुँचकर उसकी नैसर्गिक खूबसूरती को करीब से जाना। चित्रकोट जलप्रपात के तीरथा स्थित वॉच टॉवर पर जाकर सभी सदस्यों ने काफी समय तक जलप्रपात को निहारा और उसकी प्रशंसा की। वित्त आयोग के सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पाण्डा, डॉ. सौम्यकांति घोष मौजूद थे।

टीम के सदस्य अजय नारायण झा ने नदी के उद्गम और संगम स्थल के बारे में जानकारी ली। साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की वास्तविक और नैसर्गिक खूबसूरती बस्तर में देखने को मिल रही है जहां प्राकृतिक वातावरण बेहद सुंदर है, जो अपने आप में मिसाल है।

झा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के बारे में जितना सुना था, उससे भी कहीं ज्यादा बेहतरीन है। उन्होंने यहां के भोले भाले आदिवासी ग्रामीणों द्वारा की गई पारंपरिक आवभगत की प्रशंसा की। आयोग के दल ने चित्रकोट जलप्रपात की खूबसूरती को अपने कैमरों में कैद किया। इस अवसर पर कलेक्टर विजय दयाराम के., पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे भी उनके साथ थे।

छत्तीसगढ़ में कब से 500 रुपए में मिलेगा गैस सिलेंडर सीएम विष्णु देव साय ने बताया

रायपुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने वादा किया था कि हम 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। इसके साथ ही लोगों को अन्य भी गारंटी दी थी। अब गारंटी को पूरा करने का वक्त आ गया है। सरकार ने चुनाव के समय किए कुछ वादे को पूरा भी किया है। वहीं, सबसे अहम 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वादा था। चुनाव के छह महीने से अधिक बीत गए हैं। ऐसे में सस्ते सिलेंडर को लेकर लोगों की उम्मीदें बढऩे लगी हैं। बुधवार को रायपुर में बीजेपी की कार्यसमिति हुई है। कार्यसमिति में सीएम विष्णु देव साय ने 500 रुपए में सिलेंडर को लेकर बड़े संकेत दिए हैं।

बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में सीएम विष्णु देव साय ने बड़े संकेत दिए हैं। उन्होंने मीटिंग में बीजेपी कार्यकर्तों को संबोधित करते हुए कहा है कि हम छत्तीसगढ़ में जल्द ही लोगों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। हालांकि सीएम विष्णु देव साय ने इसे लेकर कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। इतना जरूर कह दिया है कि हम जल्द देंगे। ऐसे में अनुमान है कि सरकार इस साल ही गैस सिलेंडर देने की योजना शुरू कर सकती है। नई सरकार बनते ही राज्य की सरकार ने चुनाव से पहले महिलाओं से महतारी वंदन योजना की बात की थी।

विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना शुरू हो गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने में 1000-1000 रुपए मिलते हैं। इसी तरह से सरकार ने तेंदुपत्ता संग्राहकों से जो वादे किए थे, उसे भी पूरा कर दिया है। ऐसे में सस्ते गैस सिलेंडर का वादा भी एक बड़ा वादा है। सीएम ने खुद ही इसे लेकर संकेत दे दिए हैं कि जल्द ही इसे हम देंगे तो लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

एमपी में लाडली बहनों को मिलते हैं 450 में गैस सिलेंडर

वहीं, मध्य प्रदेश की सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले ही लाडली बहनों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने की शुरुआत की है। सरकार लाडली बहनों और उज्जवला योजना की लाभुक महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर देती है। इस योजना की राशि सरकार सब्सिडी के रूप में देती है।

प्रमोशन के लिए भटक रहे कई शिक्षक

- अब तक तीन डी ई ओ बदले परंतु 59 पदोन्नत प्रधान पाठकों क़ो नहीं मिल सकी पदस्थापना

गरियाबंद (आरएनएस)। गरियाबंद जिले के शिक्षा विभाग की बदतर स्थितिया कब सुधरेगी इसका कोई जवाब किसी के पास नहीं जिले में सहायक शिक्षकों क़ो प्राथमिक प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति देनी थी विवाद के चलते जिले में पदोन्नती की पहली सूची ही जारी हो पायी है वह भी प्रदेश में सबसे पीछे उसके बाद भी रिक्त पदों पर होने वाली पूरक सूची क़ा कोई अता पता नहीं कई शिक्षकों क़ो परिभ्रमण सूची में रख कर बेवजह पदोन्नति से वंचित रख कर उनके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा। पदोन्नति के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी कोई ठोस जवाब नहीं दे पा रहे,,,,,,कब होगा बता नहीं पा रहे वहीं पिछले एक साल से जिले के मैनपुर ब्लॉक के 59 पदोन्नत प्रधान पाठकों क़ा पदाकन् नहीं कर पाये है। प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री व सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पदोन्नति की प्रक्रिया 6माह में पूरी करने का आदेश दिया था परंतु गरियाबंद जिले में उक्त आदेश निर्देश क़ा अनुपालन नहीं हो पा रहा या अधिकारी करना नहीं चाह रहे जवाब कौन देगा जिम्मेदार कौन है किसी क़ो पता नहीं।सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 17-01-23 क़ो जिले के शिक्षकों की पहली पदस्थापना हेतु काउंसलिंग कराई शिक्षकों ने काउंसिलिंग में भाग लिया परंतु बहुत सारे पदोन्नत प्रधान पाठकों क़ो शिक्षकीय समस्या एकल शिक्षकीय शाला होने के नाम पर आज पर्यन्त कार्यमुक्त नहीं किया गया जिसके कारण गरियाबंद छुरा,मैनपुर ब्लॉक के कई स्कूल में एक साथ दो -दो प्रधान पाठक काम कर रहे सेटअप अनुसार एक शाला में एक प्रधान पाठक का पद स्वीकृत है एक का वेतन आहरण हो सकता है लेकिन दो दो प्रधान पाठकों क़ो एक स्कूल से कैसे वेतन आहरण हो रहा समझ से परे है। जिला शिक्षा कार्यालय गरियाबंद में संलग्नीकरण के नाम पर कई उच्च श्रेणी शिक्षकों क़ो कई शाखाओं में नोडल अधिकारी बनाया गया है परंतु दिखावे के नाम पर संलग्नीकरण समाप्त कर पुन:बिना किसी संलग्नीकरण आदेश के काम लिया जा रहा उक्त शिक्षक न्यायलीन प्रकरण और शिकायत शाखा देख रहे सूत्रों के मुताबिक जिन पर अवैध उगाही व शिक्षकों से कार्यवाही, पदस्थापना अन्य कार्यवाहियों का डर दिखा कर अवैध उगाही की जाती है बिना किसी आदेश के उक्त यू डी टी महेश राम पटेल पूर्व में रह चुका है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
SJU
Social Justice Union
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career School, Raigarh, C.G.
Pin 496001
www.nyaysakshi.com
सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

16 वें वित्त आयोग के अध्यक्ष सहित सदस्यों ने पंचायत प्रतिनिधियों से की चर्चा

- बस्तर में तेजी से समग्र विकास का खींचा गया खाका
- आईजी और कलेक्टर ने बस्तर संभाग की परिस्थितियां, चुनौतियां, संभावना और अपेक्षाओं से आयोग को कराया अवगत

रायपुर । आरएनएस

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पनगढिय़ा और आयोग के सदस्यों ने पंचायत प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए पंचायतों के तेजी से समग्र विकास का खांका खींचा। बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर कलेक्टोरेट के प्रेरणा कक्ष में आयोजित बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों ने बस्तर के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

पंचायत प्रतिनिधियों के सुझावों पर वित्त आयोग के अध्यक्ष पनगढिय़ा ने कहा कि 16 वें वित्त आयोग का कार्यकाल 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेगा द्य इस अवधि को ध्यान में रख कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरुप हमें विकास की आगामी कार्ययोजना तैयार करना है। उन्होंने बस्तर के पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यहां जो सुझाव दिए गए हैं, वे सभी वित्त आयोग के कार्यक्षेत्र से संबंधित हैं तथा इन पर निश्चित ही कार्यवाही की जाएगी। पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा जनसरोकार से जुड़े ऐसे मुद्दों पर बात की गई, जिनका यथासंभव समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। बस्तर जिला पंचायत अध्यक्ष वेदवती कश्यप ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि 15 वें वित्त आयोग अन्तर्गत 90 प्रतिशत जनसंख्या एवं 10 प्रतिशत क्षेत्रफल के आधार पर आवंटन जारी किया जाता है। बस्तर जिला अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में आश्रित ग्राम एवं पारा दूर-दूर तक फैले हुए हैं, इस कारण क्षेत्रफल को ध्यान में रखते हुए 16 वें वित्त आयोग अन्तर्गत 70 प्रतिशत जनसंख्या एवं 30 प्रतिशत क्षेत्रफल के आधार पर आबंटन प्रदाय किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा हमारा बस्तर संस्कृति से भरपूर है,चाहे देवगुड़ी हो. मेला, मंडई हो. बस्तर में इसकी अत्यधिक मान्यता है। इसे ध्यान में रखते हुए देवगुड़ी, मेला, मंडई एवं खेलकूद क्षेत्र के लिए भी आबंटन का प्रावधान किया जाना चाहिए। बस्तर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप ने कहा बस्तर में पेसा एक्ट लागू होने के साथ-साथ नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। 16 वें वित्त आयोग अन्तर्गत जनसंख्या, क्षेत्रफल के साथ-साथ नक्सल एवं पेसा जिले को अतिरिक्त आबंटन प्रदान करने की बात कही। साथ ही बस्तर की अधिकांश आबादी इन वन क्षेत्र में रहती है तथा अधिकांश आदिवासियों के आय का मुख्य स्त्रोत लघु वनोपज होता है। लघु वनोपज की सामग्री को वैल्यू एडिशन कर सह उत्पाद की श्रेणी में लाने की व्यवस्था करने हेतु अतिरिक्त आबंटन की व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके साथ ही अन्य पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा बस्तर जिले में पथरीली एवं पहाड़ी जमीन को देखते हुए कृषि एवं सिंचाई क्षेत्र में कार्य करने के लिए, पेयजल एवं स्वच्छता के सेक्टर की बाध्यता को समाप्त कर अन्य 09 थीम से सेक्टर चुनने की स्वतंत्रता प्रदान करने, ऑनलाईन भुगतान प्रणाली के सरलीकरण, किसानों को सामूहिक फेंसिंग एवं नलकूप की स्थापना हेतु सहायता प्रदान करने, प्राकृतिक आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता देने, ग्राम पंचायतों में अधोसंरचनाओं के विकास हेतु आश्रित ग्रामों के आधार पर आबंटन प्रदान करने के संबंध में सुझाव दिए गए।